# E-Content

**Sakaldiha P.G. College, Sakaldiha, Chandauli**

**B.A. - Semester - I$^{st}$**

**Subject - Psychology**

**Course Title :** मनोवैज्ञानिक प्रक्रियाओं के मूल आधार

**(Basic Psychological Processes)**

**Topic -** बुद्धि के अर्थ एवं परिभाषाएँ


निर्माणकर्ता

डॉ0 सीता मिश्रा
मनोविज्ञान विभाग
सकलडीहा पी0जी0 कॉलेज,
सकलडीहा, चन्दौली

## बुद्धि का अर्थ एवं परिभाषाएँ (Meaning and Definition of Intelligence) –

बुद्धि व्यक्ति की वह सार्वभौम शक्ति है, जो उसे ध्येय युक्त कार्य करने, तर्कपूर्ण चिन्तन करने तथा वातावरण के साथ प्रभावपूर्ण समायोजन करने में सहायता देती है।

यह एक जन्मजात क्षमता है, जिसका विकास वातावरण के आधार पर होता है। अतः बुद्धि व्यक्ति की क्षमता है जिसके द्वारा व्यक्ति अपने वातावरण के प्रति अनुक्रिया करता है एवं परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को समायोजित करता है। बुद्धि का अर्थ इतना व्यापक है कि इसका अर्थ प्रत्येक परिस्थिति एवं सन्दर्भ में बदल जाता है। सीखने की क्षमता तथा अभूर्त चिन्तन को भी बुद्धि के रूप में स्वीकार किया गया है। ***बुद्धि की कुछ परिभाषाएँ निम्नलिखित है–***

1. **स्पीयरमैन के अनुसार –** ''बुद्धि सामवर्धित चिन्तन है।''
2. **थार्नडाइक के अनुसार –** ''वास्तविक परिस्थिति के अनुसार अपेक्षित प्रतिक्रिया की योग्यता ही बुद्धि है।''
3. **बिने तथा साइमन के अनुसार –** ''निर्णय लेने की क्षमता, समझने की योग्यता, उपयुक्त तर्क की क्षमता तथा वातावरण में अपने को व्यवस्थित **करने की शक्ति ही बुद्धि है।''**
4. **बंकिघम के अनुसार –** ''बुद्धि जीवन की नवीन परिस्थितियों और समस्याओं के साथ अनुकूलन करने की सामान्य योग्यता है।''

## बुद्धि की प्रकृति एवं विशेषताएँ –

उपर्युक्त परिभाषाओं से स्पष्ट होता है कि बुद्धि की प्रकृति एवं विशेषता निम्नलिखित हैं–

1. बुद्धि समायोजन की विशेषता एवं योग्यता है।
2. बुद्धि अधिगम की योग्यता है।
3. बुद्धि अमूर्त चिन्तन है।
4. बुद्धि समस्या समाधान की योग्यता है।
5. बुद्धि मानसिक आयु पर निर्भर होती है।
6. बुद्धि एक समग्र योग्यता है।

## बुद्धि के प्रकार –

***थार्नडाईक में बुद्धि को तीन भागों में बाँटा है–***

1. अमूर्त बुद्धि – (Abstract Intelligence)
2. मूर्त बुद्धि – (Concrete Intelligence)
3. सामाजिक बुद्धि – (Social Intelligence)

1. **अमूर्त बुद्धि –** अमूर्त बुद्धि का कार्य सूक्ष्म तथा अमूर्त प्रश्नों को चिन्तन तथा मनन के माध्यम से हल करना है।

***अमूर्त बुद्धि का परीक्षण तीन प्रकार से किया जा सकता है–***

(i) आकांक्षा का स्तर मापने से

(ii) विभिन्न प्रकार के कार्य करने की क्षमता से

(iii) कार्य करने की गति से

2. **मूर्त बुद्धि** – मूर्त का अर्थ होता है समक्ष या सामने किसी भी वस्तु को देखकर उसे समझने और उसके अनुरूप क्रिया करने में मूर्त बुद्धि का उपयोग किया जाता है। इसको यांन्त्रिक या (Mechanical) या गत्यात्मक (Motor) बुद्धि भी कहा जाता है।

3. **सामाजिक बुद्धि** – सामाजिक बुद्धि से तात्पर्य है कि जिस व्यक्ति ये यह शक्ति होती है, वह समाज में अपने को समायोजित रखने की क्षमता उत्पन्न करता है तथा उसी के अनुसार उस व्यक्ति में व्यवहार कौशल आता है। व्यवहार कौशल के साथ व्यक्तित्व एवं चरित्र के गुण निर्मित होते है।

## बुद्धि लब्धि (I.Q.) –

जर्मनी के हर्टन के सुझाव पर टर्मन (1916) में बुद्धि का एक सुविधाजनक सूचकांक विकसित किया जिसे बुद्धिलब्धि कहते है। यह मानसिक आयु तथा वास्तविक आयु के अनुपात के रूप में परिभाषित किया जाता है। मानसिक आयु (Mental age) से तात्पर्य उस उम्र से है, जिस उम्र के लिए निर्धारित प्रश्नों का हल परीक्षार्थी देने में सफल होता है। मानसिक आयु का निर्धारण हो जाने पर व्यक्ति की बुद्धि लब्धि मात्रात्मक रूप से ज्ञात की जा सकती है। इसका सूत्र निम्नवत है–

$$IQ = \frac{M.A.}{C.A.} X\ 100$$

**बुद्धि लब्धि = (मानसिक आयु / वास्तविक आयु) X 100**

उपर्युक्त सूत्र से संकेत प्राप्त हो रहा है कि यदि मानसिक आयु अधिक है और शारीरिक आयु कम है तो बुद्धि लब्धि अधिक प्राप्त होगी तथा इसके विपरीत बुद्धि लब्धि कम प्राप्त होगी, प्रतिभाशाली (Genius) का बुद्धि लब्धि 140 या अधिक होता है।

जबकि जड़ (idiot) का बुद्धि लब्धि 20 या कम होता है।

*****